भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2542
उत्तर देने की तारीख 09.03.2026

पराक्रम दिवस 2026

2542. श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री सुधीर गुप्ता :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में पराक्रम दिवस, 2026 मनाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त आयोजन के दौरान आयोजित कार्यक्रमों, आयोजनों और कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पराक्रम दिवस मनाने के उद्देश्य और लक्ष्य क्या हैं तथा युवाओं में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और योगदान के प्रति जागरुकता बढ़ाने में इसकी क्या भूमिका है; और

(घ) उक्त आयोजन को मनाने पर कुल कितना व्यय हुआ है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हां, भारत सरकार ने 23 जनवरी, 2026 से 25 जनवरी, 2026 तक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती का स्मरणोत्सव मनाया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन श्री विजय पुरम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में किया गया और ऐसे ही समान स्मरणोत्सव कार्यक्रम नेताजी के जीवन से जुड़े देश के अन्य 13 स्थानों पर आयोजित किए गए जिनमें कटक (ओडिशा); कोलकाता, कोदालिया और मुर्शीदाबाद (पश्चिम बंगाल); मेरठ (उत्तर प्रदेश); कोहिमा (नागालैंड); गोमोह और रामगढ़ (झारखंड); दिल्ली; डलहौजी (हिमाचल प्रदेश); जबलपुर (मध्य प्रदेश); मोइरांग (मणिपुर); और हरिपुरा (गुजरात) शामिल हैं। यह कार्यक्रम

राज्य सरकारों, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, शैक्षणिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से आयोजित किए गए।

(ख): समारोहों के दौरान, श्री विजय पुराम और नेताजी से जुड़े अन्य 13 स्थानों में स्मरणोत्सव समारोह भी आयोजित किए गए। नेताजी के जीवन और विरासत को विशेष रूप से दर्शाने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से पुस्तक और स्क्रॉल पेटिंग प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों, पैनल चर्चाओं और युवा संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(ग): पराक्रम दिवस समारोह का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के अतुल्य योगदान को सम्मान देना और स्मरण करना है। यह नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं के बीच देशभक्ति, साहस, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का भाव उत्पन्न करने की ओर लक्षित है। यह आयोजन इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में आजाद हिन्द फौज की भूमिका के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है और मजबूत एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए नेताजी की विचाराधारा और दृष्टिकोण के संबंध में सुविचारित लोक संवाद के साथ-साथ अकादमिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है। इन पहलों के माध्यम से यह समारोह राष्ट्रीय गौरव को सुदृढ़ करने और युवा पीढ़ियों को प्रेरित करने में योगदान देता है।

(घ): पराक्रम दिवस समारोह के लिए अनुमानित बजट 7 करोड़ रुपए (लगभग) है।

*****